भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **330**
दिनांक **24** जून, 2019

तेल और गैस का उत्पादन

330. श्री पंकज चौधरीः
श्रीमती राम्या हरिदासः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी वृ द्ध को देखते हुए इसके आयात को कम करने के उद्देश्य से सरकार का देश में तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने का वचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा देश में नए तेल क्षेत्रों से तेल-उत्खनन हेतु अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और
(ग) सरकार द्वारा शहरों में पाइपलाइन के माध्यम से गैस की आपूर्ति में शीघ्रता लाने हेतु क्या ठोस उपाय कए गए हैं/कए जाने का वचार है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) और (ख) तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने के लए सरकार द्वारा की गई नीतिगत पहलें निम्नानुसार हैं:-

i हाइड्रोकार्बन खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लए उत्पादन हिस्सेदारी सं वदा (पीएससी) व्यवस्था के तहत रियायतों, अव ध बढ़ाए जाने और स्पष्टीकरणों के लए नीति।
ii खोजे गए लघु क्षेत्र संबंधी नीति।
iii हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और लाइसें संग नीति।
iv उत्पादन हिस्सेदारी सं वदाओं की अव ध बढ़ाने के लए नीति।
v कोल बैड मथेन सीबीएम से शीघ्र मुद्रा अर्जित करने के लए नीति।
vi नेशनल डाटा रिपोजिटरी की स्थापना।
vii तलछटीय बे सन में गैर मूल्यां कत क्षेत्रों का मूल्यांकन। शेल गैस नीति आदि।
viii हाइड्रोकार्बन संसाधनों का पुनः आकलन।
ix एनईएलपी पूर्व और एनईएलपी ब्लॉकों में उत्पादन हिस्सेदारी सं वदाओं की कार्य प्रणाली को व्यवस्थित बनाने के लए नीतिगत ढांचा।

x तेल और गैस के लए व र्धत निकासी पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा प्रोत्साहित करने के लए नीति।

xi मौजूदा उत्पादन हिस्सेदारी सं वदाओं, कोल बेड मथेन सं वदाओं और नामांकन क्षेत्रों के तहत गैर-पारंपरिक हाइड्रोकार्बनों के अन्वेषण और दोहन हेतु नीतिगत ढांचा।

सरकार ने अन्वेषण कार्यकलाप बढ़ाने, तलछटीय बे सनों के गैर-अन्वे षत/गैर-आबंटित क्षेत्रों में घरेलू और वदेशी निवेश आक र्षत करने और मौजूदा क्षेत्रों से तेल और गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से फरवरी, **2019** में अन्वेषण और लाइसें संग नीति में प्रमुख सुधारों को अनुमोदित कर दिया है। नीतिगत सुधारों का लक्ष्य अन्य बातों के साथ-साथ कार्य कार्यक्रम को और ज्यादा प्राथ मकता देते हुए अन्वेषण कार्यकलापों को बढ़ाना, राजकोषीय और सं वदागत शर्तों को सरल बनाना, सरकार के साथ बगैर कसी उत्पादन अथवा राजस्व हिस्सेदारी के श्रेणी 2 और 3 के तलछटीय बे सनों के संबंध में अन्वेषण ब्लॉकों की बोली, राजकोषीय प्रोत्साहन दे कर खोजों से शीघ्र मुद्रा अर्जित करना, वपणन और मूल्य निर्धारण की आजादी सहित गैस उत्पादन को प्रोत्साहित करना, नवीनतम प्रौद्यो गकी और पूंजी को शा मल करना, नामांकन क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने की पद्धतियों के लए सहयोग तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु राष्ट्रीय तेल कंपनियों को काम करने की और ज्यादा आजादी देना, अनुमोदन की प्र क्रयाओं को व्यवस्थित करना तथा इलैक्ट्रोनिक एकल खड़की व्यवस्था सहित कारोबार में आसानी को बढ़ावा देना है।

(ग) पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के रूप में घरों, वा णज्यिक इकाइयों और उद्योगों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति तथा संपी डत प्राकृतिक गैस (सीएनजी) के रूप में वाहनों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करना नगर गैस वतरण (सीजीडी) नेटवर्क के वकास का हिस्सा है और यह कार्य पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस वनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा प्रा धकृत कंपनियों द्वारा कया जा रहा है। अब तक पीएनजीआरबी ने 10वें सीजीडी बोली दौर तक पूरे देश में सीजीडी नेटवर्क के वकास हेतु 228 भौगो लक क्षेत्रों (जीएज) को प्रा धकृत कया है। पीएनजी और सीएनजी की आपूर्ति के लए 9वें और 10वें सीजीडी बोली दौर के तहत 298 जिलों को कवर कया गया है।

*****